www.maharashtrac
Email : editor@maharashtracrimes.in

www.maharashtracrimes.blogspot.in
maharashtracrimes@gmail.com

RNI NO. : MAHHIN/1998/02261

महाराष्ट्र क्राईम्स

वर्ष २० | अंक ११ | मुंबई, ०५ सितंबर २०२१ | पृष्ठ : ८ | कीमत : ५ रुपये | प्रधान संपादक : सिराज चौधरी

गैर कानुनी वाहनोंके पार्कींगसे खारघर निवासी परेशान

संवाददाता : २१वी सदी के शहर नवी मुंबई के स्वच्छ सुंदर खारघर को भारती विद्यापीठ (बेलपाडा) से तलोजा जाने के मार्ग पर चल रहे दो पहिया चार पहिया गैरेज और उनकी वजह से रास्तेपर हो रहे पार्कींग की वजह से दाग लग गया है। इस मार्गपर कई गैरेज मालीक अपना कारोबार कर रहे है। वाहनोंको दुरुस्ती करने हेतू यह गैरेज के मालिकोंने रास्तेपर ही अपना जम बिठाया हुआ है। वैसे तो यह गैरेज गैरकानुनी तरीकेसे चल रहे है। लॉकडाऊन के समय में दोपहर ४.०० बजे के बाद कोई व्यापारी यदी दुकान चला रहा हो तो उसे दंडीत करने के लिए पनवेल मनपा ने विशेष पथक की स्थापना कि, लेकीन अतिक्रमण विभाग या प्रभाग अधिकारी इन गैर कानुनी गैरेजवालोंपर मेहरबान है। इस मार्गपर विद्यालयोंके विद्यार्थीयोंको लेने आने के लिए जो वाहन है वह भी गैर कानुनी तरीकेसे खड़े किये जा रहे है। रास्ते पर वाहन खड़े रखना मानो इनका अधिकार है। बिना हेल्मेट यात्रा करनेवाले मोटर सायकील चालक को, और चंद कुछ मिनिटोंके लिए अपने वाहन को रास्ते के किनारे खड़े करके दुकान में कुछ सामान खरीदनेवाले वाहनचालकोंपर मोटी रकम से दंडीत करनेवाले यातायात पुलीस इसपर मौन है।

महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना के वाहतूक सेना (खारघर) ने इस विषयपर नवी मुंबई यातायात पुलीस उपायुक्त को आवेदन दिया है। इन गैरकानुनी तरीकेसे पार्कींगकरनेवाले वाहनोंको वहाँसे तुरंत हटाना चाहिए। रात के समय इन वाहनों का सहारा लेकर कुछ नौसवान नशिले पदार्थोंका सेवन करते नजर आए है। इस रास्तेपर रात के समय अकेली महिला चल नही सकती क्योंकि इन नशेबाज युवकों की और से छेड़खानी होने की

महाराष्ट्र नवनिर्माण वाहतूक सेना
अरुण कोंडिबा पळसकर
खारघर शहर - संघटक

प्रति,
उपायुक्त वाहतुक शाखा,
नवी मुंबई,
नवी मुंबई पोलिस आयुक्तालय,
सेक्टर १०, सीबीडी बेलापूर,
नवी मुंबई ४००६१४.

विषय : खारघर वसाहती मधील बेकायदा वाहन पार्किंग करणाऱ्या वाहन मालक/चालकांविरूध्द कायदेशीर कारवाई करणेसाठी तक्रार अर्ज.

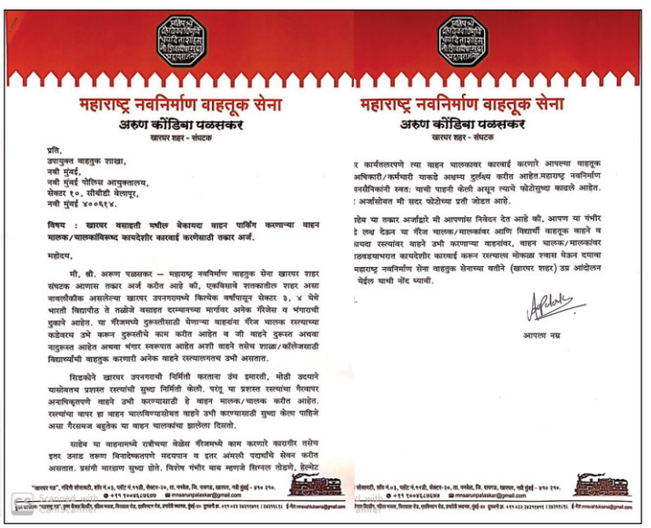

महोदय,

मी, श्री. अरुण पळसकर — महाराष्ट्र नवनिर्माण वाहतुक सेना खारघर शहर संघटक आपणास तक्रार अर्ज करीत आहे की, एकविसावे शतकातील शहर असा नावलौकीक असलेल्या खारघर उपनगरामध्ये कित्येक वर्षांपासून सेक्टर ३, ४ येथे भारती विद्यापीठ ते तळोजे वसाहत दरम्यानच्या मार्गावर अनेक गॅरेजेस व भंगाराची दुकाने आहेत. या गॅरेजमध्ये दुरूस्तीसाठी येणाऱ्या वाहनांना गॅरेज चालक रस्त्याच्या कडेवरच उभे करून दुरूस्तीचे काम करीत आहेत व जी वाहने दुरूस्त अथवा नादुरूस्त आहेत अथवा भंगार स्वरूपात आहेत अशी वाहने तसेच शाळा/कॉलेजसाठी विद्यार्थ्यांची वाहतुक करणारी अनेक वाहने रस्त्यालगतच उभी असतात.

सिडकोने खारघर उपनगराची निर्मिती करताना उंच इमारती, मोठी उदयाने यासोबतच प्रशस्त रस्त्यांची सुध्दा निर्मिती केली. परंतु या प्रशस्त रस्त्यांचा गैरवापर अनाधिकृतपणे वाहने उभी करण्यासाठी हे वाहन मालक/चालक करीत आहेत. रस्त्यांचा वापर हा वाहन चालविण्यासोबत वाहने उभी करण्यासाठी सुध्दा केला पाहिजे असा गैरसमज बहुतेक या वाहन चालकांचा झालेला दिसतो.

साहेब या वाहनामध्ये रात्रीच्या वेळेस गॅरेजमध्ये काम करणारे कारागीर तसेच इतर उनाड तरूण विनादेक्षतपणे मदयपान व इतर अंमली पदार्थांचे सेवन करीत असतात. प्रसंगी मारहाण सुध्दा होते. विशेष गंभीर बाब म्हणजे सिग्नल तोडणे, हेल्मेट

mnsarunpalaskar@gmail.com

महाराष्ट्र नवनिर्माण वाहतूक सेना
अरुण कोंडिबा पळसकर
खारघर शहर - संघटक

...र कार्यतत्परपणे त्या वाहन चालकावर कारवाई करणारे आपल्या वाहतूक अधिकारी/कर्मचारी याकडे अक्षम्य दुर्लक्ष करीत आहेत.महाराष्ट्र नवनिर्माण ...नसैनिकांनी स्वत: याची पाहनी केली असून त्याचे फोटोसुध्दा काढले आहेत. ...: अर्जासोबत मी सदर फोटोच्या प्रती जोडत आहे.

...हेब या तक्रार अर्जाद्वारे मी आपणांस निवेदन देत आहे की, आपण या गंभीर ...े लक्ष देऊन या गॅरेज चालक/मालकांवर आणि विद्यार्थी वाहतूक वाहने व ...यदा रस्त्यांवर वाहने उभी करणाऱ्या वाहनांवर, वाहन चालक/मालकांवर ...ठवडयाभरात कायदेशीर कारवाई करून रस्त्याला मोकळा श्वास घेऊन दयावा महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना वाहतुक सेनाच्या वतीने (खारघर शहर) उग्र आंदोलन ...येईल याची नोंद घ्यावी.

आपला नम्र

mnsarunpalaskar@gmail.com

संभावना है। नवी मुंबई पुलीस के बीट मार्शल भी रात को यहाँपर नजर नही आते है। क्या कोई गंभीर आपराधीक मामले का नवी मुंबई पुलीस प्रशासन इंतजार कर रहा है ऐसा सवाल महाराष्ट्र नवनिर्माण सेनों के उपाध्यक्ष श्री. राजकुमार पाटीलने महाराष्ट्र क्राईम्स से बातचीत करते वक्त व्यक्त किया। महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (वाहतूक सेना) खारघर विभाग के संघटक श्री. अरुण पलस्करने यातायात विभाग के उपायुक्त को इन गैर कानुनी तरीकेसे रास्ते के किनारे पार्कींग करनेवाले वाहन चालक एवं मालिकोंपर कानुनी कार्रवाई करके हटाने के लिए शिकायत अर्जी दे दि है। इस शिकायत अर्जी को यदी अनदेखा करके इन मग्रुर वाहनोंके मालिकोंपर यदी कार्रवाई नही कि तो महाराष्ट्र नवनिर्माण खारघर विभागकी ओर से उग्र आंदोलन छेडा जाएगा ऐसा इशारा मनसे वाहतूक सेना उपाध्यक्ष प्रविण दलवीने महाराष्ट्र क्राईम्स से बातचीत के दौरान दिया है। महाराष्ट्र क्राईम्स पनवेल महानगरपालिका खारघर प्रभाग के अधिकारीसे भी यह माँग करता है की इस विषय में आप ध्यान दे और इस मार्गपर यातायात करने वालोंको राहत दे।

पनवेल महानगरपालिका की और से खारघर शहर अतिक्रमण मुक्त

महाराष्ट्र नव निर्माण सेना खारघर शहर अध्यक्ष श्री.प्रसाद परब के प्रयत्नोंको यश प्राप्ती

श्री. प्रसाद परब
अध्यक्ष
महाराष्ट्र नव निर्माण सेना खारघर शहर

संवाददाता : पनवेल महानगरपालिका की और से ५ सितंबर २०२१ को खारघर उपनगर के सेक्टर २० में गैर कानुनी फेरीवाला और शिल्प चौक परिसर के गैर कानुनी फुल विक्रेतापर कार्रवाई की गई। इस कार्रवाई के लिए महाराष्ट्र नव निर्माण सेना खारघर शहर के अध्यक्ष श्री. प्रसाद परब इन्होने कई बार मनपा प्रशासनसे पत्र व्यवहार किया। लेकीन कोई भी कार्रवाई नही हो रही थी। अखिर श्री. प्रसाद परब और उनके अन्य कार्यकर्ता व्यक्तीगत रुप से खारघर प्रभाग अधिकारी श्री. जितेंद्र मढवी से मिले और यदी इन गैर कानुनी फुल विक्रेता और फेरीवालोंपर कार्रवाई नही की तो महाराष्ट्र नव निर्माण सेना की तरफ से आंदोलन का इशारा दिया और उसी समय मनपा प्रशासन कार्रवाई को राजी हुआ।

महाराष्ट्र नव निर्माण सेना खारघर शहर की और से पनवेल महानगरपालिका प्रशासनका आभार व्यक्त किया गया। इसी प्रकार खारघर शहर के फूटपाथ एवं यातायात के रास्ते खुले और स्वच्छ रहेंगे ऐसी अपेक्षा श्री. प्रसाद परब इन्होंने व्यक्त की।

संपादक
सिराज चौधरी
महाराष्ट्र क्राईम्स

सप्टेंबर का राशिफल

मेष : (चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ)

आपका सोचा हुआ काम पूरा होगा। आसपास के लोगों से आपको सहयोग मिलेगा। आपको माता-पिता का आशीर्वाद प्राप्त होगा। आपकी किसी पुराने क्लाइंट से मुलाकात होगी। आप कोई बड़ा काम शुरू कर सकते हैं। आपकी सफलता का स्तर अन्य लोगों की तुलना में ज्यादा रहेगा। आपको भाई-बहनों का सहयोग मिलता रहेगा। अचानक किसी स्रोत से आपको धन लाभ होगा। बड़े अधिकारियों से आपकी मुलाकात सफल रहेगी। लवमेटस के लिए यह महिनाअच्छा रहने वाला है।

वृषभ = (ई, ऊ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे, व)

आपको इनकम में बढ़ोतरी के लिये किसी की मदद मिलेगी। आपको किस्मत का साथ मिलेगा। ऑफिस का काम रोज की तुलना में बेहतर तरीके से पूरा होगा। आपके व्यवहार से सहकर्मी खुश रहेंगे। जीवनसाथी किसी काम के लिये आपकी तारीफ करेंगे। शाम को परिवार के साथ ही घर पर पार्टी करेंगे। काम को लेकर आपकी कई योजनाएं आज समय से पूरी हो जायेंगी। आपको कोई बड़ी सफलता मिलेगी। माता की सेहत में सुधार आयेगा।

मिथुन : (का, की, कू, घ, ङ, छ, के, को, हा)

आप अपनी जिम्मेदारियों को बखूबी निभाने में सफल होंगे। आपकी फिटनेस बनी रहेगी। आप घर के लिए कुछ जरूरी सामान खरीदेंगे। आप जीवनसाथी की किसी काम में मदद करेंगे। जीवन में आगे बढ़ने के नए रास्ते अपने आप खुलते जायेंगे। कारोबारियों के लिए धन लाभ के योग बने हुए हैं। आपका कोई नया कार्य प्रारंभ करने का मन बनेगा। इस राशि के मार्केटिंग से जुड़े लोगों के लिए यह महिना अच्छा है। कुल मिलाकर आपके लिए यह महिना अच्छा रहने वाला है।

कर्क : (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डो)

माता-पिता का स्वास्थ्य काफी अच्छा रहेगा। छोटी-छोटी बातों पर गुस्सा करने से कुछ लोग आपका विरोध करेंगे। निवेश के मामले में आपको कोई नई सलाह मिलेगी। व्यापार को बढ़ाने के कुछ नए मौके मिलेगें। दूसरों के साथ मिल कर किये गए कार्यों में आपको बहुत हद तक सफलता मिलेगी। जीवनसाथी आपके व्यवहार से प्रसन्न होंगे जिससे जीवन में और मिठास बढ़ेगा। लवमेट्स कही बाहर घूमने जायेंगे।

सिंह : (मा, मी, मू, मे, मो, टा, टी, टू, टे)

घर में भाई-बहन की मदद से आपका आत्मविश्वास बढ़ेगा। करियर में आपको सफलता मिलेगी। परिवार के सुख-सौभाग्य में बढ़ोतरी होगी। जीवनसाथी को समय दें, रिश्ते में चल रही समस्याएं समाप्त होगी। ऑफिस में आपको अपनी राय रखने का मौका मिलेगा। विद्यार्थियों को अपना करियर और बेहतर बनाने के लिए मौके मिलेंगे। दाम्पत्य जीवन में नयी-नयी खुशियां आयेंगी, जिससे आपका मन प्रसन्न होगा।

कन्या : ळ (टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो)

आर्थिक लाभ के अच्छे अवसर प्राप्त होंगे। आपका स्वास्थ्य बेहतर रहेगा। बहुत जरूरी हो तभी यात्रा करें। किसी मित्र से पूरा-पूरा सहयोग मिलेगा। परिवार में सभी सदस्यों के साथआपसी सामंजस्य बना रहेगा। आपके पिता को किसी पुरानी स्वास्थ्य सम्बन्धी समस्या से छुटकारा मिलेगा। किसी कार्य को पूरा करने में जीवनसाथी की सलाह कारगर साबित होगा। इस राशि के वकीलों के लिए यह महिना धनलाभ कराने वाला होगा।

तुला : (रा, री, रू, रे, रो, ता, ती, तू, ते)

आर्थिक उतार-चढ़ाव की स्थितियां देखने को मिलेगी। बेहतर होगा आप अपने काम के लिए लगातार प्रयास करते रहें। वाहन चलाते समय आपको थोड़ी सावधानी रखने की जरूरत है। किसी व्यापार में साझेदारी की सोच रहे हैं तो उस विषय से जुड़े लोगों की सलाह जरूर लें। जीवनसाथी की तरक्की देखकर मन प्रसन्न होगा। जीवनसाथी को सफलता मिलने से मन प्रसन्न रहेगा। छात्रों को मेहनत के अनुरूप सफलता मिलेगी। आप अपने कार्य करने के तरीकों में बदलाव करेंगे।

वृश्चिक : (तो, ना, नी, नू, ने, नो, या, यी, यू)

यह महिना शानदार रहेगा।लोगों की मदद आपको मिलती रहेगी। परिवारजनों के साथ खुशियों के पल बितायेंगे। दाम्पत्य रिश्तों में मजबूती आयेगी। कोई नई बात आपको सीखने को मिलेगी। आर्थिक स्थिति बेहतर रहेगी। इस राशि के साहित्य के क्षेत्र से जुड़े लोगों को कोई बड़ी खुशखबरी मिलेगी। लवमेटस को उपहार मिलने से मन प्रसन्न होगा। नवविवाहित लोगों के लिए यह महिना बेहतरीन रहने वाला है।

धनु : (ये, यो, भा, भी, भू, ध, फा, ढा, भे)

यह महिना ख़ुशी से भरा रहेगा। कारोबार में लाभ होने के योग बन रहे हैं। इस राशि के राजनीति के क्षेत्र से जुड़े लोगों को सफलता मिलेगी। परिवार में किसी धार्मिक अनुष्ठान का आयोजन करने का मन बनायेंगे। आपको किसी से उपहार मिलेगा। घरेलू काम को निपटाने में आप सफल रहेंगे। सेहत के मामले में आप खुद को फिट महसूस करेंगे। सरकारी नौकरी कर रहे लोगों को उनकी परफॉर्मेंस के लिए पुरस्कार मिलेगा। नौकरी ढूंढ रहे लोगों को किसी अच्छी कंपनी से कॉल आयेगी।

मकर : (भो, जा, जी, खी, खू, खा, खो, गा, गी)

आपके लिये सामान्य रहेगा। आपके रिश्तों में मिठास बढ़ेगी। रेस्टोरेंट का काम कर रहे लोगों को अच्छा मुनाफा होने वाला है। अगर कोई कोर्ट केस चल रहा है तो उसका फैसला आपके पक्ष में आयेगा। आप आपके काम समय से पूरा कर लेंगे। सेल्स का काम कर रहे लोगों को कोई अच्छा क्लाइंट मिलेगा। शौक्षणिक संस्थानों में काम कर रहे लोगों को प्रमोशन मिलने के योग बन रहे हैं।

कुंभ : (गू, गे, गो, सा, सी, सू, से, सो, दा)

आपका स्वास्थ्य बेहतर बना रहेगा। आपके रूके हुए काम घरवालों की मदद से पूरे होंगे। इस राशि के विद्यार्थियों के लिए यह महिना ठीक-ठाक रहेगा। सरकारी नौकरी करने वालों के लिए महिना बहुत अच्छा है। आपको दूसरों के सामने सोच-समझ कर बोलना चाहिए। किस्मत का साथ मिलने से अपने कार्यों को समय से पूरा करने में सफल होंगे। आपको अपने गुस्से पर नियंत्रण रखने की जरूरत है। आपको कुछ नया सिखाने का मौका मिलेगा।

मीन : (दी, दू, थ, झ, ञ, दे, दो, चा, ची)

आपका ध्यान आध्यात्म की ओर अधिक लगा रहेगा। इस राशि के विद्यार्थियों को करियर से रिलेटेड अच्छे मौके मिलेंगे। नये लक्ष्य को निर्धारित करने के लिए आज का दिन शुभ है। जीवनसाथी के साथ सामंजस्य बना रहेगा। आज आपको कार्यों में अपने बड़े भाई का सहयोग मिलेगा। छे लवमेटस एक दूसरे का सम्मान करेंगे, जिससे आपके रिश्ते में नयापन आयेगा। किसी काम में जीवनसाथी की सलाह फायदेमंद रहेगी।

कानुनी सलाह

ॲड.रामचंद्र कच्छवे

सवाल आपका सलाह हमारा

१. सयद शेख, डोंबिवली

पोलिस ठाणे मे फरियाद लेकर जाने के बाद पोलिस फरीयाद ली नही जाती हैं तो क्या करना चाहीए?

सलाह : आपकी फरीयाद दखलपात्र एवंम अजामीनपात्र होगी तो पोलिस को आपकी फरीयाद लेना ही पडेगा और एफ.आय. आर पंजीकृत करना पडेगा यदी ऐसा नही हुआ तो आपको लिखीत फरीयाद वरीष्ट पोलिस निरीक्षक एवंम ए.सी.पी., डी.सी.पी., पोलिस कमीश्नर इन्हे भेजना पडेगा और उसकी रसीद संभालके रखना चाहीए। इसके बावजुद एफ.आय.आर. पंजीकृत नही हुआ तो माननीय उच्च न्यायालय में फौजदारी याचिका दाखील करना पडेगा न्यायालय उक्त पोलिस ठाणे को एफ.आय.आर.पंजीकृत करने का आदेश पारीत करेगा ईसके अलावा आपको कलम २०० सी.आर.पी.सी.के तहत माननीय न्यायदंडाधिकारी ईनके न्यायालय के आपकी शिकायत दी जा सकती है उसमे न्यायालय १५६(३) सी.आर.पी.सी.के.तहत आदेश पारित कर सकता है।

२. शंकर तावडे, चेंबूर

पोलिस ठाणे मे झुटी एफ.आय.आर.पंजीकृत की तो क्या करना चाहीए?

सलाह : आपको एफ.आय.आर.चॅलेंज करना हो तो आपको माननिय उच्च न्यायालय में फौजदारी याचिका दाखील करना पडेगा और कलम ४८२ सी.आर.पी.सी.के तहत एफ.आय.आर.चॅलेंज होगा, न्यायालय एफ.आय.आर.को अंतरीम स्थगीती दे सकता है।

देखें पाकिस्तान में भगत सिंह की हवेली:फैसलआबाद में आज भी रखी है शहीद-ए-आजम की तिजोरी, मुस्लिम परिवार करता है राष्ट्रीय स्मारक की रखवाली

आजादी की लड़ाई के हीरो भगत सिंह की हवेली आज भी पाकिस्तानी पंजाब के शहर फैसलआबाद (लायलपुर) की तहसील जुडांवला में मौजूद है। यहां जाते समय रास्ते पर सब कुछ वैसा ही है, जैसा शहरों से कस्बे की तरफ जाते हुए नजर आता है। हर चंद किलोमीटर के फासले पर छोटी–छोटी दुकानों और रेढ़ियों, ठेले वालों के हुजूम और फिर दूर–दूर तक फैले हुए खेतों का सिलसिला शुरू हो जाता है।

इस मंजर के बीच में छोटी–बड़ी फैक्ट्रियां और कहीं–कहीं निजी हाउसिंग सोसाइटियों के बड़े–बड़े खुशनुमा गेट। मकवाना बाई पास से थोड़ा आगे बढ़ें तो सड़क किनारे लगे साइन बोर्ड पर जंग–ए–आजादी के हीरो भगत सिंह का नाम तहरीर है। और इससे ये पता चलता है कि हिंदुस्तान और पाकिस्तान के इस हीरो का गांव चक १०५ 'बंगला' यहां से महज १२ किमी की दूरी पर है। गांव को जाने वाली सड़क के आगाज पर भी भगत सिंह के कारनामों से पटा बोर्ड उस हस्ती की याद दिलाता है, जिसने जवां

स्कूल के अंदर लगा भगत सिंह का पोस्टर

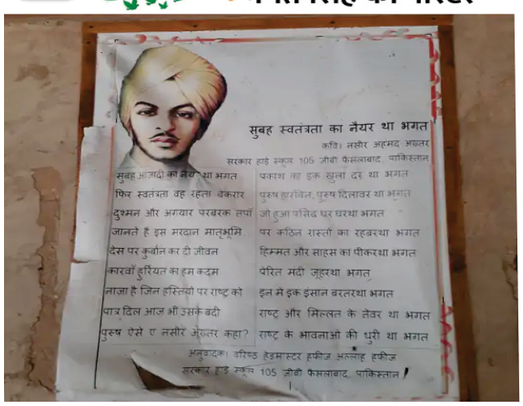

उमर में इंकलाब की खातिर जान कुर्बान की थी। इस गांव की आबादी में ज्यादातर हिस्सा उन मुहाजिरों (भारत से पाकिस्तान गए मुसलमान) का है, जो १९४७ के बंटवारे के बाद हिन्दुस्तान से पाकिस्तान आए थे, लेकिन उन्हें इस बात पर फख्र है कि वो उस गांव में रहते हैं, जहां जंग ए आजादी के हीरो भगत सिंह ने जन्म लिया था।

यहां अब कोई सिख या हिन्दू खानदान के लोग नहीं रहते, लेकिन भगत सिंह की हवेली को राष्ट्रीय स्मारक घोषित कर एक फोटो गैलरी में तब्दील कर दिया गया है। ये हवेली बंटवारे के बाद पेशे से वकील साकिब वरक के बुजुर्गों को अलॉट हुई थी। अब उनका ही खानदान इसकी देखभाल करता है। उन्होंने बताया कि १९४७ में ये घर उनके दादा फज्ल कादिर वरक को अलॉट हुआ था और उस दौर से ही दुनियाभर से लोग इसे देखने आते रहते हैं। ये १८९० के बने हुए दो कमरे हैं, जो उसी हालत में मौजूद हैं जैसे भगतसिंह के पिता ने बनवाए थे।

भगत सिंह का घर और स्कूल २०१४ में उस वक्त के ऊळज (डिस्ट्रिक्ट कोऑर्डिनेशन ऑफिसर) ने करीब एक करोड़ रुपए खर्च कर ठीक कराए थे। नूरुल अमीन मेंगल ने अब सेक्रेटरी लोकल गवर्नमेंट बनने के बाद 'दिलकश लायलपुर' के नाम से भगत सिंह से जुड़ी इमारतों को बेहतर करने का बीड़ा उठाया है।

साकिब वरक के मुताबिक, उन्हें फख्र है कि वे उस हवेली को देखने और भगत सिंह को खिराज–ए–तहसीन पेश करने के लिए आने वालों की मेजबानी करते हैं। २०१४ में जब सरकार ने भगत सिंह की हवेली को सकाफती वरसा करार दिया तो उसे पुरानी बुनियादों पर दोबारा बहाल करने के लिए छत के कुछ बाले और शहतीर बदले गए और बाकी हिस्से को रंदा लगाकर नया किया गया। इसमें लगे दरवाजे, खिड़कियां, फर्श और छतें उसी दौर की हैं।

आबाई हवेली के अंदर रखा भगत सिंह का चरखा

यहां भगत सिंह द्वारा इस्तेमाल तिजोरी, चरखा और उनके हाथ के लगाए हुए बेरी के पेड़ इस हवेली का कीमती सामान हैं। साकिब वरक बताते हैं कि इस घर की देखभाल का खर्चा वह अपनी जेब से उठाते हैं।

भगत सिंह और आजादी के लिए दी जाने वाली कुर्बानियों को अपनी आंखों से देखने वाले इस गांव के ज्यादातर लोग अब इस दुनिया में नहीं हैं, लेकिन गांव के बुजुर्ग अब भी भगत सिंह को ऐसे ही याद करते हैं जैसे कोई अपने पुरखों का जिक्र करता है।

मुहम्मद अफजल इसी गांव में पैदा हुए और अब उनकी उम्र ६० साल से ज्यादा हो चुकी है। वो बताते हैं कि उन्होंने अपने बुजुर्गों से सुना था कि भगत सिंह गरीबों के बड़े हमदर्द थे। अंग्रेज दौर में गांव वालों पर पेड़ काटने की पाबंदी थी, लेकिन भगत सिंह ने ये पाबंदी खत्म कराई। और लोगों को ये बताया कि इस खित्ते के असली मालिक यहां के लोग हैं। अंग्रेजों ने उन पर जबरदस्ती कब्जा कर रखा है। गांव के ही मुहम्मद सिद्दीक रिटायर्ड सरकारी अधिकारी हैं और उनकी उम्र ७४ साल के करीब है। उन्होंने बताया कि भगत सिंह ने जिस कमउमरी में आजादी के लिए जद्दोजहद की, उसकी मिसाल दुनिया में कम ही मिलती है।

'भगत सिंह कहते थे कि ये मुल्क हमारा है, यहां की जमीन भी हमारी है, लेकिन हुक्मरानी और कानून अंग्रेज का चले, ये मुझे मंजूर नहीं। और इसी जद्दोजहद में उसने अपनी जान कुर्बान कर दी। उन्होंने बताया कि भगत सिंह और उनके बुजुर्ग अंग्रेजों से आजादी की सरगर्मियों में हिस्सा लेने के साथ–साथ लोगों की भलाई के कामों में भी बढ़चढ़ कर हिस्सा लेते थे। उन्होंने गांव में पहला स्कूल बनवाया, जहां खुद भगत सिंह ने भी तालीम हासिल की थी। लोगों की सहूलियत के लिए दो घर बनवाए, जहां पर शादी–ब्याह होता था। और किसी से कोई खर्च नहीं लिया जाता था, बल्कि बाहर से आने वालों को मुफ्त रिहाईश और खाना भी मिलता था।

गांव में तीन तालाब थे जिनके लिए पानी मंजूर करवाया गया। गांव को आने वाली सड़क पर लगे अक्सर दरख्त भी उनके लगाए हुए हैं। मुहम्मद सिद्दीक के मुताबिक उनके बुजुर्ग मिसाल दिया करते थे कि यहां सिख रहकर गए हैं और उन्होंने गांव का कैसा अच्छा निजाम कायम किया था, लेकिन बाद में आने वाले इस निजाम को कायम न रख सके। उनका कहना था कि भगत सिंह वो शख्सियत हैं जो पाकिस्तान और हिंदुस्तान में अच्छे ताल्लुकात की बुनियाद बन सकते हैं।

हुकूमतों की अपनी पॉलिसियां और मजबूरियां हो सकती हैं, लेकिन दोनों मुल्कों के आम लोग आज भी एक दूसरे के दुख–सुख को अपना समझते हैं। जब हिंदुस्तान से पुराने लोग यहां आते थे तो वो अपने पुराने साथियों और उनके बच्चों से गले लगकर आंसू बहाया करते थे।'

भगत सिंह ने गांव के जिस स्कूल में तालीम हासिल की थी वो स्कूल अब भी कायम है और इसमें दो कमरों की वो इमारत आज भी उसी हालत में मौजूद है जैसी वो आज से सौ साल पहले थी। जिस क्लास रूम में कभी भगत सिंह पढ़ा करते थे, उसकी दीवारों पर अब कायद ए आजम मुहम्मद अली जिन्नाह और शायर ए मशरिक अल्लामा इकबाल के साथ–साथ भगत सिंह की तस्वीर भी लगी हुई है। इस स्कूल के हेडमास्टर नसीर अहमद खुद भी भगत सिंह के चाहने वालों में शामिल हैं। उन्होंने अपने हीरो के सम्मान में एक नज्म लिखी है, जो इस इमारत के क्लास रूम और भगत सिंह की हवेली में आवेजां है।

उन्होंने बताया जब बाहर से लोग इस तारीखी स्कूल को देखने के लिए आते हैं, तो फिर यहां पढ़ने वाले तालिब इल्मों में भी ये जज्बा पैदा होता है कि वो भगत सिंह की तरह अपना और अपने गांव का नाम रोशन करें और दुनिया भर से लोग उन्हें सलाम ए अकीदत पेश करने के लिए यहां आएं। नसीर अहमद कहते हैं कि आज भगत सिंह को खिराज ए तहसीन पेश करने का बेहतरीन तरीका ये है कि उनकी फिक्र को अपनाया जाए और नई नस्ल को बताया जाए कि मजहब, रंग और नस्ल से ज्यादा अहम इंसान होना और इंसानियत की भलाई के लिए काम करना है।

'इस फिक्र को हम आगे लेकर चलें तो दोनों तरफ के लोग यकजा हो सकते हैं, हमारा मजहब अलग हो सकता है, लेकिन दोनों तरफ इंसान तो एक जैसे ही हैं। भगत सिंह ने भी किसी खास मजहब या फिरके की जंग

भगत सिंह के स्कूल का पोस्टर

नही लड़ी बल्कि वो इस खित्ते के पिसे हुए, पसमांदा तबकात को बिला तफरीक ए मजहब अंग्रेजों के जबर से निजात दिलाना चाहते थे।'

इसी स्कूल के एक और उस्ताद मुहम्मद उमर ने गुफ्तगू में हिस्सा लेते हुए बताया कि वो और इस गांव के दीगर बाशिंदे इस बात पर फख्र महसूस करते हैं कि वो जंग ए आजादी के हीरो भगत सिंह की जन्मभूमि के रिहाइशी हैं। उन्होंने बताया कि हर साल भगत सिंह के जन्मदिन के मौके पर उनकी आबाई यानी पुश्तैनी हवेली में सालगिरह की तकरीब का एहतमाम किया जाता है जिसमें तमाम गांव वाले और पंजाब के दीगर शहरों व बैरून ए मुल्क से आने वाले अफराद भी शिरकत करते हैं।

'इसी तरह भगत सिंह की बरसी पर उनकी आबाई हवेली में शमएं रोशन की जाती हैं और उनकी कुर्बानियों को याद करके उन्हें खिराज ए तहसीन पेश किया जाता है।' उनका कहना था कि जब कनाडा और दीगर ममालिक से सिख कम्युनिटी के लोग यहां आते हैं तो वो ये देखकर बहुत खुश होते हैं कि भगत सिंह मुसलमान नहीं थे, लेकिन फिर भी उन्हें पाकिस्तान में एक कौमी हीरो की हैसियत हासिल है और उनके घर और स्कूल को सकाफती वरसा करार देकर उसकी देखभाल की जा रही है।

ये भगत सिंह की सोच और फिक्र की जीत है कि जहां दो मुल्कों का मजहब के नाम पर बंटवारा हुआ था वहीं आज भगत सिंह को सरहद के दोनों जानिब हीरो तस्लीम किया जाता है।

७५वां स्वतंत्रता दिवसः अंग्रेजों ने ही रखी थी भारत-पाकिस्तान विभाजन की नींव, वे चाहते थे भारत को तोड़ना

१५ अगस्त १९४७ की आधी रात को भारत और पाकिस्तान कानूनी तौर पर दो स्वतंत्र राष्ट्र बन गए। इस तरह पश्चिमी पंजाब के मुस्लिम बहुल १२ जिले तथा पूर्वी बंगाल के १६ जिले पाकिस्तान को दिए गए।

मगर बंटवारे के बाद हुए इतिहास के सबसे बड़े मानव पलायन और लाखों लोगों के संहार की बेहद कड़वी यादें खुशी के पलों की स्मृतियों का पीछा शायद ही कभी छोड़ेंगी। एक अनुमान के अनुसार इन दंगों में १० से लेकर १५ लाख के बीच लोग मारे गए थे।

भारत–पाकिस्तान विभाजन की कहानी बता रहे हैं वरिष्ठ पत्रकार जयसिंह रावत।

जिन्ना और मुस्लिम लीग तो अंग्रेजों के टूल मात्र थे तथा हिन्दू और मुस्लिम कट्टरपंथी अंग्रेजों का मिशन आसान कर रहे थे। विश्व के इतिहास में १९४७ का वर्ष दो नए सम्प्रभु राष्ट्रों के जन्म और विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र के उदय के लिए तो सदैव याद रहेगा ही, लेकिन इस ऐतिहासिक वर्ष के सुनहरे इतिहास के पन्नों के साथ एक ऐसा काला पन्ना भी जुड़ा जिसमें अब तक के सबसे बड़े मानव पलायन और भयंकर दंगों में मारे गये लाखों लोगों के खून के छींटे तथा बेसहारा विधवाओं और अनाथों की सिसकियां भी जुड़ी हुई हैं,इसीलिए आजादी के ७४ साल बाद भी यह सवाल आज भी खड़ा है कि आखिर देश के विभाजन के लिए जिम्मेदार कौन था। जिसके कारण देश भी टूटा और इतनी बड़ी मानव त्रासदी हुई।

कौन था भारत के विभाजन का दोषी

भारत के बंटवारे के लिए अलग–अलग पक्ष अपनी सुविधानुसार घटनाक्रम का विश्लेषण करते रहे हैं। बंटवारे के लिए मोहम्मद अली जिन्ना और मुस्लिम लीग, हिन्दू महासभा, कांग्रेस और अंग्रेजी हुकूमत को दोषी ठहराया जाता रहा है। सोशिल मीडिया पर तो सुनियोजित तरीके से नेहरू के साथ ही महात्मा गांधी को भी घसीटा जाता है। जबकि पाकिस्तानी मूल के प्रोफेसर इश्तियाक अहमद जैसे इतिहासकार ऐसे भी हैं जो कि इस बंटवारे के लिए सीधे तौर पर ब्रिटिश हुकूमत को जिम्मेदार मानते हैं।

वे कहते हैं– जिन्ना और मुस्लिम लीग तो अंग्रेजों के टूल मात्र थे तथा हिन्दू और मुस्लिम कट्टरपंथी अंग्रेजों का मिशन आसान कर रहे थे। सत्ता हस्तान्तरण में जल्दबाजी को भी दंगों के

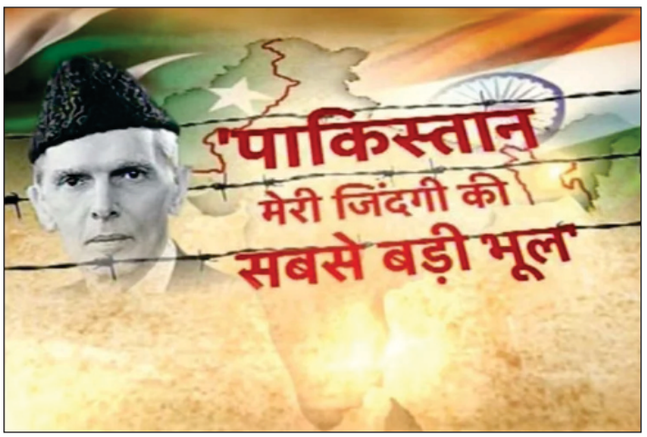

लिए जिम्मेदार ठहराया गया है। कुछ इतिहासकार मानते हैं कि जब भारत का विभाजन अवश्यंभावी हो गया था तो भी दंगों में इतना बड़ा नरसंहार टाला जा सकता था।

भारत को १९४८ में होना था आजाद

सैन्य इतिहासकार वार्ने ह्वाइट स्पनर ने अपनी पुस्तक द स्टोरी ऑफ इण्डियन इंडिपेंडेंस एण्ड क्रियेशन ऑफ पाकिस्तान इन १९४७ में लिखा है। ब्रिटिश प्रधानमंत्री एटली ने २० फरवरी १९४७को हाउस ऑफ कॉमन्स में बयान दिया था कि ब्रिटेन जून १९४८ तक भारत छोड़ देगा और माउंटबेटन फील्ड मार्शल आर्चिबाल्ड वावेल से वायसराय की जिम्मेदारी संभालेंगे। वावेल को ३१ जनवरी १९४७ को ही एटली की ओर से मार्चिंग आर्डर मिल चुका था। लेकिन वायसराय माउंटबेटन ने बिना तैयारी के समय पूर्व ही ३ जून १९४७ को कांग्रेस और मुस्लिम लीग के नेताओं के साथ एक साझा प्रेस कान्फ्रेंस में भारत की आजादी की घोषणा कर दी।स्पनर के अनुसार नेहरू को विश्वास नहीं था कि भारत में धर्म का इतना बोलबाला है। जिन्ना पंजाब को नहीं समझते थे। माउंटबेटन शायद ही भारत को जानते थे।

बहरहाल, १५ अगस्त १९४७ की आधी रात को भारत और पाकिस्तान कानूनी तौर पर दो स्वतंत्र राष्ट्र बन गए। इस तरह पश्चिमी पंजाब के मुस्लिम बहुल १२ जिले तथा पूर्वी बंगाल के १६ जिले पाकिस्तान को दिए गए। मगर बंटवारे के बाद हुए इतिहास के सबसे बड़े मानव पलायन और लाखों लोगों के संहार की बेहद कड़वी यादें खुशी के पलों की स्मृतियों का पीछा शायद ही कभी छोड़ेंगी। एक अनुमान के अनुसार इन दंगों में १० से लेकर १५ लाख के बीच लोग मारे गए थे।

तब भारत का विभाजन नहीं होता

सैन्य इतिहासकार वार्ने ह्वाइट स्पनर के अनुसार–

प्रथम विश्वयुद्ध में भारत के असाधारण योगदान के बदले ब्रिटिश हुकूमत को १९१९ में भी भारत को सुपुर्द कर देना चाहिए था। तब भारत के बंटवारे की बात नहीं आती। दूसरा मौका अंग्रेजों ने १९३५ में भारत सरकार अधिनियम लागू करते समय गंवाया। उस समय भी पाकिस्तान की मांग ने जोर नहीं पकड़ा था। १९४७ तक तो ब्रिटेन का नियंत्रण बहुत ढीला हो गया था।

इस कमाल के ड्रिंक से कुछ ही हफ्तों में घट जाएगा वजन, गायब हो जाएगी चर्बी

मोटापा हमें कई गंभीर बीमारियों का शिकार बना सकता है. अगर समय रहते इसे कंट्रोल नहीं किया गया तो समस्या और बढ़ जाती है. हालांकि वजन कम करना किसी चुनौती से कम नहीं होता. कुछ लोग इसके लिए जिम में जमकर पसीना बहाते हैं तो कुछ सीधा डॉक्टर के पास जाते हैं. इन सबके इतर हम आपके लिए एक ऐसे ड्रिंक के बारे में बता रहे हैं, जो वजन घटाने में कारगर हो सकता है.

यह ड्रिंक अजवाइन और जीरा से तैयार होता है. जीरा और अजवाइन दोनों में ही कुछ ऐसे तत्व पाए जाते हैं, जो वजन घटाने में मददगार होते हैं. नियमित तौर पर कुछ ही हफ्तों में आप वजन घटा सकते हैं.

वजन करना बेहद जरूरी है

जाने माने आयुर्वेद डॉक्टर अबरार मुल्तानी के अनुसार, मोटापे के चलते हृदय रोग, उच्च रक्तचाप, यूरिक एसिड का बढ़ना और डायबिटीज जैसी खतरनाक बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है. यही वजह है कि इस समय रहते कम कर लिया जाए.

वजन घटाने में कैसे मददगार है जीरा और अजवाइन

जीरा में एंटी–इंफ्लेमेट्री और एंटी–बायोटिक तत्व पाए जाते हैं, जो शरीर से सूजन कम करने में मददगार हो सकता है. साथ ही इसमें पाए जाने वाले तत्व कोलेस्ट्रॉल लेवल भी काबू करते हैं, जिससे मोटापा का खतरा कम होता है. वहीं अजवाइन आयरन, कैल्शियम, फाइबर, फॉस्फोरस के अलावा और भी कई पोषक तत्व मौजूद होता है, जो संपूर्ण सेहत के लिए फायदेमंद है. अजवाइन एक लो कैलोरी फूड है, जिसके इस्तेमाल से वजन कम करने में मदद मिलेगी. इसमें पाए जाने वाले तत्व मेटाबॉलिक रेट को स्ट्रॉन्ग बनाता है.

इस तरह तैयार करें वजन कम करने के लिए कमाल का ड्रिंक

अजवाइन और जीरे के ड्रिंक से वजन कम करने में आसानी होती है.

इसे तैयार करने के लिए एक चम्मच जीरा, इतने ही मात्रा में सौंफ, एक चम्मच सोडा और चम्मच भर अजवाइन की जरूरत होगी. आप सबसे पहले एक बर्तन में २ गिलास पानी डालकर उबालें. अब इसमें जीरा, सोडा, सौंफ और अजवाइन गिराएं.जब यह अच्छे से उबल जाए, तो इसमें शहद भी मिला दें. जब ये बर्तन में आधा रह जाए तो इस पेय को छान लें और हल्का गुनगुना होने पर पीएं. आप खाली पेट इसका सेवन कर सकते हैं.

ठाणे में फेरीवालों की गुंडागर्दी

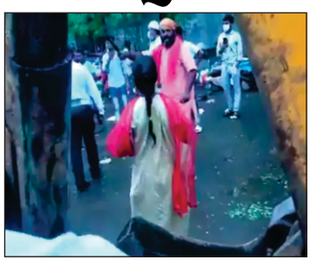

महाराष्ट्र के ठाणे नगर निगम की मजीवाड़ा-मनपाड़ा वार्ड कमेटी की सहायक आयुक्त कल्पिता पिंपल पर सोमवार को कुछ अवैध फेरीवालों ने जानलेवा हमला कर दिया। इस हमले में उनके बाएं हाथ की दो अंगुलियां कट गईं हैं। हमले के दौरान उन्हें बचाने का प्रयास कर रहे बॉडीगार्ड की एक अंगुली कटी है। वारदात के बाद पुलिस ने आरोपी अमरजीत यादव को अरेस्ट कर लिया है।

सोमवार शाम को सहायक आयुक्त कल्पिता अपनी टीम के साथ मनपाड़ा वार्ड कमेटी का दौरा कर रहीं थीं, इसी दौरान उन्होंने सड़क किनारे अवैध फेरी लगाने वाले कुछ लोगों को देखा और उन्हें दुकानें हटाने को कहा। इससे अधिकारी और फेरीवालों के बीच बहस बढ़ गई, इसी बीच अमरजीत यादव चाकू लेकर मौके पर पहुंचा और बिना कोई बात किए कल्पिता पर हमला कर दिया।

स्थानीय लोगों ने पकड़ कर आरोपी को पुलिस को सौंपा

अचानक हुए हमले के बाद कल्पित के साथ मौके पर गए अधिकारी डर गए। वारदात के बाद कल्पित की दोनों अंगुलियां और उनके बॉडीगार्ड की एक अंगुली सड़क पर काफी देर तक पड़ी थी। इसके बाद सहायक आयुक्त और उनके बॉडीगार्ड को आनन फानन में ठाणे के वेदांता हॉस्पिटल और फिर जुपिटर हॉस्पिटल में ले जाया गया। यहां अभी भी दोनों का इलाज जारी है। इस वारदात के बाद स्थानीय लोगों ने अमरजीत यादव को पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया।

इगझ ने सरकार पर साधा निशाना

इस घटना को लेकर इगझ विधायक आशीष शेलार ने सरकार की आलोचना की है। उन्होंने सोशल मीडिया में कहा, 'ठाणे में आज एक दुखद घटना हुई है। ठाणे नगर निगम की सहायक आयुक्त कल्पिता पिंपल पर हमला करने के बाद एक फेरीवाले ने उनकी उंगली काट दी। क्या राज्य में कानून का राज है? क्या सरकार नाम की कोई चीज बची है? महाराष्ट्र में कानून-व्यवस्था की स्थिति इतनी खराब कभी नहीं रही!'

जनसंघ की मदद के लिए ज्योतिरादित्य सिंधिया की दादी ने बेच दिए थे अपने गहने, ससुर की बात भी नहीं मानी थी

ज्योतिरादित्य सिंधिया ने साल २०२० में कांग्रेस छोड़कर बीजेपी का हाथ थामा था। ज्योतिरादित्य सिंधिया परिवार के पहले सदस्य नहीं हैं जिन्होंने बीजेपी के साथ राजनीति में आगे कदम बढ़ाने का फैसला किया है। ज्योतिरादित्य की दादी राजमाता विजयराजे सिंधिया तो बीजेपी के संस्थापक सदस्यों में शामिल थीं। विजयराजे सिंधिया ने भले ही कांग्रेस के टिकट पर पहला चुनाव लड़ा हो, लेकिन बाद में पार्टी के तल्खियां बढ़ने के बाद उन्होंने जनसंघ (अब बीजेपी) का हाथ थाम लिया था।

विजयराजे सिंधिया ने जनसंघ के लिए चंदा इकट्ठा करने के लिए अपने गहने तक बेच दिए थे। वरिष्ठ पत्रकार और लेखक राशिद किदवई अपनी किताब 'द हाउस ऑफ सिंधियाज: ए सागा ऑफ पावर, पॉलिटिक्स एंड इंट्रिग' में इसका विस्तार से जिक्र किया है। किदवई लिखते हैं, 'विजयराजे सिंधिया के ससुर माधो राव सिंधिया ने बंबई में २० एकड़ सी-फेसिंग प्रोपर्टी खरीदी थी। इसे उन्होंने समुद्र महल का नाम दिया था। २०१० के आंकड़ों के मुताबिक, इस प्रोपर्टी पर बने हर फ्लैट की कीमत १०० करोड़ रुपए थी।'

बंबई वाले महल बेचना नहीं चाहते थे: माधो महाराज को ये प्रोपर्टी बेहद पसंद थी और उनके पास इसका मालिकाना हक भी थी तो उन्होंने सिंधिया वंश के सभी लोगों को ८ अप्रैल १९२५ को आदेश दिया था कि इस प्रोपर्टी को कभी भी न बेचा जाए। ये एक लग्जरी प्रोपर्टी थी और उस दौरान बंबई में ये अकेला समुद्र महल पैलेस था। ज्योतिरादित्य के दादा जीवाजी राव ने भी अपने पिता के आदेश का पालन किया। जबकि जीवाजी राव के निधन के कुछ ही सालों बाद उनकी पत्नी विजयराजे ने ये प्रोपर्टी बेच दी।

कीमती गहने तक बेच दिए थे: माधव राव सिंधिया की जीवनी लिखने वाले पत्रकार वीर सांघवी और नमिता भंडारे के हवाले से किदवई आगे लिखते हैं, १९६० और १९७० के दौरान जनसंघ के लिए फंड इकट्ठा करने वालों में विजयराजे सिंधिया मुख्य थीं। विजयराजे ने पार्टी के लिए काफी फंड इकट्ठा कर लिया था, लेकिन आगे कोई रास्ता नज़र नहीं आने के बाद उन्होंने सिंधिया परिवार के कीमती गहने तक बेच दिए थे। क्योंकि पार्टी को चलाने के लिए काफी फंड की जरूरत थी।

उद्योगपतियों को ग्वालियर लाए: राशी किदवई लिखते हैं, जीवाजी राव का शासन अपने पिता की तरह बिल्कुल नहीं था। जीवाजी ने कई आंदोलन देखे और उन्हें घुड़सवारी का बेहद शौंक था। उन्होंने कई उलझे हुए मामले अपने दीवान और सरदारों पर छोड़ दिए थे। वह अपना शौंक पर ही ज्यादातर समय देते थे। इसके अलावा उन्होंने अपने उद्योगपति दोस्तों को भी ग्वालियर में निवेश करने के लिए प्रेरित किया था। जीवाजी राव के एक दोस्त सेठ घनश्याम दास बिरला भी थे। यहां तक कि उनकी रेयोन और सिल्क की मिल के नाम 'जयाजी' है जो जीवाजी के नाम पर ही रखे गए थे।

KRANTIKARI JAI HIND SENA
क्रांतीकारी जय हिंद सेना
Adv.R.N.Kachave
Mr.Vinod Trivedi
LEGAL ADVISE CENTRE
कानुनी सलाह केंद्र
क्रांतीकारी जय हिंद सेना की और से अन्याय एवंम भ्रष्टाचार से पिडीत लोगोंके लिये निशुल्क कानुनी सलाह केंद्र तथा जरुरतमंद ओर गरीबों के लिए कानुनी मदत केंद्र कि उपलब्धी की गई है। समस्थ लोगोंको अपील की जाती है की आप इस योजना का लाभ उठा ले। हमने लोगों को अपने अधिकारी का ज्ञान कराने के उद्देश से विविध विधीज्ञ की सहयोग से यह योजना कार्यान्वीत की गई है।
संपर्क : २७/२८, दुसरा माला, इंडा मेशन, १८-वजु कोटक मार्ग, फोर्ट, मुंबई-४०० ००१. मो.९८२१३८७०९९, ९२२४७९९५४६

हाईप्रोफाइल सेक्स रैकेट का भंडाफोड़

मुंबई में टीवी एक्टर्स से वैश्यावृति करवाने वाली मॉडल हुई गिरफ्तार, एक डील का २ लाख से ज्यादा लेती थी चार्ज

मुंबई पुलिस की क्राइम ब्रांच सेल ने ३२ साल की एक मॉडल को सेक्स रैकेट चलाने के आरोप में अरेस्ट किया है। मॉडल की पहचान ईशा खान के रूप में हुई है। जांच में सामने आया है कि यह मॉडल एक ऐसे रैकेट का हिस्सा थी, जिसमें कुछ टीवी स्टार भी शामिल थे। इसलिए आने वाले समय में इस मामले में कुछ और गिरफ्तारी हो सकती है।

जानकारी के मुताबिक, गुरुवार दोपहर जुहू के एक लग्जरी होटल में रेड की गई थी जिसके बाद ये गिरफ्तारी की गई है। रेड के दौरान एक टीवी एक्टर और मॉडल को वहां से भागने में कामयाब रहे। ये दोनों एक नामचीन एंटरटेनमेंट चैनेल के साथ काम कर रहे थे। साथ ही साबुन के एक विज्ञापन में भी ये नजर आ चुके थे।

पिछले कई साल से चला रही थी रैकेट

सीनियर इंस्पेक्टर मनीष श्रीधनकर ने कहा कि महिला दलाल ईशा खान ने बताया है कि वह इस सेक्स रैकेट को पिछले कई सालों से चला रही थी। डीसीपी दत्ता नलावडे को किसी ने जब ईशा खान के बारे में जानकारी दी, तो उन्होंने अपनी टीम को अलर्ट किया।

ऐसे हुई मॉडल की गिरफ्तारी

इसके बाद यूनिट ७ के अधिकारियों ने एक नकली कस्टमर को आरोपी मॉडल के पास भेजा था, जिससे उनसे ४ लाख रुपये मांगे थे। ईशा खान ने नकली ग्राहक से प्रति लड़की का दो घंटे का दो लाख रुपये का सौदा तय किया और इन दो लाख रुपये में ईशा खान को ५० हजार रुपये दिए जाने की बात की गई थी, जबकि जिन दो लड़कियों को सेलेक्ट किया गया था, ग्राहकों से मिली रकम से उन्हें डेढ़-डेढ़ लाख रुपये ईशा खान द्वारा दिए जाते।

लॉकडाउन की वजह से वैश्यावृति में हुई शामिल

मॉडल और टीवी अभिनेत्री ने बताया कि कोरोना की वजह से लगे लॉकडाउन के कारण विज्ञापनों और टीवी धारावाहिकों की शूटिंग बंद थी, पैसों की कमी हो गई थी, इसलिए वे इस धंधे में आईं.

सेफ नहीं पब्लिक ट्रांसपोर्ट

औरंगाबाद : महाराष्ट्र के औरंगाबाद में शनिवार सुबह एक लड़की ने चलते ऑटो से छलांग लगा दी। सड़क पर गिरने से उसके चेहरे, हाथ और पैर में गंभीर चोट आई। इसके बावजूद लड़की ने भागना शुरू कर दिया। जिस ऑटो से लड़की कूदी थी, उसका ड्राइवर भी लड़की के पीछे दौड़ने लगा। यह देखकर लोगों ने ऑटो के ड्राइवर को पकड़ने की कोशिश की, लेकिन वह भाग निकला। इधर, लड़की ने जो कुछ बताया, वह चौंकाने वाला था।

लड़की ने बताया कि उसने घर से ट्यूशन जाने के लिए ऑटो लिया था। रास्ते में ऑटोवाले ने उसे परेशान करना शुरू कर दिया। लड़की ने ऑटो रोकने को कहा, लेकिन ऑटो वाला नहीं रुका। इसके बाद लड़की ने चलते ऑटो से छलांग लगा दी। लोगों का कहना है कि लड़की के कूदने के समय ऑटो की रफ्तार बेहद तेज थी।

मौके से फरार हुआ ऑटो ड्राइवर

एम्बुलेंस हेल्प राइडर्स ग्रुप के नीलेश सेवेकर ने बताया कि उन्हें गंभीर हालत में एक लड़की के सड़क पर होने की जानकारी मिली। इसके बाद हमारी टीम ने उसे हॉस्पिटल में एडमिट करवाया गया। लड़की के माता-पिता को भी सूचना देकर बुलाया लिया था। हालांकि, तब तक ऑटो ड्राइवर मौके से फरार हो चुका था।

CCTV के आधार पर ऑटो ड्राइवर को पकड़ने की कोशिश

इस मामले में औरंगाबाद के जिंसी पुलिस स्टेशन में केस दर्ज किया गया है। पूरी घटना मौके पर लगे एक उउढत कैमरे में भी कैद हुई है। इसके फुटेज के आधार पर पुलिस आरोपी ऑटो ड्राइवर को पकड़ने की कोशिश कर रही है।

मुंबई में १५ साल की लड़की ने मां को मारा

मुंबई : इस मामले में रबाले पुलिस स्टेशन में हत्या का केस दर्ज किया गया है। नाबालिग लड़की ने गुनाह कबूल कर लिया है।

इस मामले में रबाले पुलिस स्टेशन में हत्या का केस दर्ज किया गया है। नाबालिग लड़की ने गुनाह कबूल कर लिया है।

नवी मुंबई के ऐरोली इलाके से एक बेहद हैरान करने वाला मामला सामने आया है। यहां बार-बार पढ़ने के लिए कहने से नाराज एक १५ वर्षीय लड़की ने अपनी मां की कराटे की बेल्ट से गला घोंटकर हत्या कर दी। मां बेटी को डॉक्टर बनाने का सपना देख रही थी और इसलिए वे बार-बार उसे एंट्रेंस एग्जाम (छएएद) के लिए पढ़ने को बोलती थी।

जानकारी के मुताबिक, यह वारदात ३० जुलाई की है और रबाले पुलिस ने नाबालिग बेटी के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज कर उसे हिरासत में ले लिया है। बेटी ने भी अपने गुनाह को कबूल कर लिया है। मामले की जांच कर रहे एपीआई अविनाश महाजन ने बताया कि

३० जुलाई को शैलेष पवार नाम के व्यक्ति ने सूचना दी कि ऐरोली में रहने वाली उनकी बहन शिल्पा जाधव ने अपने फ्लैट का दरवाजा बंद कर लिया है।

गले में लिपटा हुआ मिला था कराटे बेल्ट

इसके बाद मौके पर पहुंची पुलिस की टीम ने पडोसियों की सहायता से दरवाजा खोला तो पाया कि महिला की १५ वर्षीय भांजी और ६ वर्षीय भांजा जमीन पर बैठे हैं, लेकिन बेडरूम का दरवाजा बंद है। इसे तोड़ने के बाद शिल्पा जाधव नाम की महिला जमीन पर बेसुध पड़ी मिली और उसके गले से कराटे ड्रेस का बेल्ट लिपटा हुआ था। इसके बाद पुलिस ने तुरंत उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

हत्या के ९ दिन बाद पकड़ी गई बेटी

इसके बाद पुलिस ने इस मामले में जांच शुरू की और तकरीबन ९ दिन बाद रविवार शाम को कड़ाई से पूछताछ के दौरान शिल्पा की १५ वर्षीय बेटी ने अपनी मां की हत्या किए जाने की बात कुबूल की। उसने पुलिस को बताया कि मां उस पर पढ़ने के लिए दबाव बना रही थी। इसके बाद रविवार रात को रबाले पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज कर बेटी को हिरासत में ले लिया।

पत्नी को मनाने का खतरनाक प्लान

घर छोड़कर गई बीवी को बुलाने के लिए पति ने बेटे को कफन पहनाया, बेटी के गले में फंदा डालकर फोटो पत्नी को भेजे

मुंबई : गुस्से में गांव गई पत्नी को वापस बुलाने के लिए पति ने बच्चों की मौत की झूठी कहानी गढ़ दी। पत्नी को यकीन हो जाए, इसके लिए बेटे को कफन पहनाया। बेटी के गले में फंदा डाल दिया। इसके बाद दोनों के फोटो लेकर पत्नी को भेज दिए। आरोपी दूसरी बार अपनी बेटी के गले में फंदा डालकर लटका रहा था कि तभी डरकर वह चिल्लाने लगी। उसकी आवाज सुनकर पड़ोसी पहुंच गए और बच्चों को बचाया।

पिता पर हत्या की कोशिश का केस

पड़ोसियों ने मामले की जानकारी कुरार पुलिस स्टेशन में दी। इसके बाद पुलिस टीम मौके पर पहुंची। ३३ साल के आरोपी सुचित गौड़ के खिलाफ हत्या की कोशिश का मामला दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया गया है। सीनियर इंस्पेक्टर प्रकाश बेले ने बताया कि आरोपी ने पत्नी को बुलाने के लिए बेटे और बेटी की मौत की झूठी कहानी रची थी।

बेटा तो उसके कहने में आ गया और बिना कुछ कहे कफन लपेटकर सो गया, लेकिन बेटी के गले में उसने जैसे ही फंदा डाला तो उसने शोर मचा दिया। बेटी की उम्र १३ साल है। बेटा ८ साल का है। यह घटना शनिवार की है।

नशे में बच्चों को पीटता था आरोपी

प्रकाश बेले के मुताबिक, सुचित गौड़ नशे का आदी है। नशा करने के बाद वह पत्नी और बच्चों को पीटता था। २ साल पहले पत्नी बच्चों को लेकर अपने गांव चली गई थी। कुछ दिन पहले सुचित गांव गया और बेटे-बेटी को अपने साथ मुंबई ले आया।

पड़ोसियों ने भी बताया कि आरोपी नशे में बच्चों को मारता-पीटता था। घटना के वक्त वह बेटी के गले में फंदा डालकर उसके पैरों के नीचे से बाल्टी हटा रहा था। इसी के बाद बेटी चिल्लाने लगी। आरोप है कि गले में फंदा डालकर सुचित पंखा चलाना चाह रहा था।

कोर्ट ने ३ दिन की कस्टडी में भेजा

पड़ोसियों के सूचना देने के बाद पुलिस जब मौके पर पहुंची, तो सुचित भागने की फिराक में था। पुलिस ने उसे अरेस्ट कर लिया। वह तब भी नशे की हालत में था। उसे रविवार को हॉलिडे कोर्ट में पेश किया गया। अदालत ने उसे ३ दिन की कस्टडी में भेज दिया है।

मासूमों के सौदागर

मुंबई : मुंबई के बांद्रा से १० महीने के एक बच्चे का कथित तौर पर अपहरण करने और फिर उसे बेचने के आरोप में एक महिला और तीन पुरुषों को गिरफ्तार किया गया है। बांद्रा पुलिस स्टेशन की एक टीम ने बच्चे को तेलंगाना से बरामद कर लिया है।

बांद्रा पुलिस स्टेशन में बुधवार को मुमताज खान (४०) नाम की महिला ने अपने बेटे की गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज करवाई थी। इसके बाद एक टीम गठित कर इस मामले की जांच शुरू हुई और पुलिस को मुमताज से पिछले कुछ दिनों से लगातार मिल रही फरहाना शेख (३३) नाम की एक महिला पर संदेह हुआ। पूछताछ के लिए बुलाने के बाद जब फरहाना पुलिस स्टेशन नहीं पहुंची तो पुलिस का संदेह और बढ़ा। इसके बाद उसे हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू हुई और कुछ ही घंटे में उसने सारे राज उगल दिए।

डेढ़ लाख में महिला ने बेचा बच्चा

फरहाना ने बताया कि उसने बच्चे को चुराने के बाद खार इलाके में रहने वाले परंदम गुंडेती (५०) को १.५ लाख रुपये में बेच दिया था। इसके बाद गुंडेती ने बच्चे को कुछ ही घंटों में अपने रिश्तेदार के पास तेलंगाना भेज दिया था। गुरुवार को मुंबई पुलिस की एक टीम तेलंगाना के लिए रवाना हुई और बच्चे को परंदम के रिश्तेदार के घर से बरामद कर लिया।

१.८ लाख रुपए हुए बरामद

पुलिस ने वहां से नक्का राजू (३५) और विशिरिकापाल्य धर्मराज (५०) और एक अन्य शख्स को अरेस्ट किया। चारों पर अपहरण, अपहृत व्यक्ति को बंदी बनाकर रखने, तस्करी समेत अन्य धाराओं के तहत केस दर्ज किया गया। इस पूरे अपहरण कांड में ३.१५ लाख रुपए का इस्तेमाल हुआ था, जिसमें से १.८ लाख रुपए बरामद कर लिए गए हैं।

मुंबई में दिलदहलाने वाली घटना

ऐरोली इलाके में पंखे से लटकते मिले दो बहनों के शव, कुछ साल पहले पिता की मौत के बाद मां ने भी की थी आत्महत्या

मुंबई के ऐरोली इलाके में एक दिलदहलाने वाला मामला सामने आया है। यहां दो बहनों का शव एक फ्लैट में सड़ी-गली हालत में बरामद हुआ है। दोनों पंखे से लटकी हुई मिली हैं। यह आत्महत्या है या हत्या इसके सबूत अभी पुलिस को नहीं मिले हैं। पुलिस ने इस मामले में एक्सीडेंटल डेथ रिपोर्ट(ADR) दर्ज की है। आमतौर पर ADR आत्महत्या के मामले में दर्ज की जाती है।

फिलहाल दोनों की खराब हो चुकी बॉडी को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। पोस्टमार्टम की रिपोर्ट मौत की स्थिति को और क्लियर कर देगी। मामले की जांच कर रहे रबाले पुलिस स्टेशन के एक अधिकारी ने बताया कि घटना का पता सोमवार रात को तब चला जब सेक्टर १० स्थित एक हाउसिंग सोसाइटी में फ्लैट के अंदर से दुर्गंध आई। पडोसियों की कंप्लेंट पर पुलिस मौके पर पहुंची और दरवाजा तोड़ा तो दोनों के शव पंखे से लटके हुए थे। कुछ साल पहले बहनों ने पिता को खोया

जांच में सामने आया कि दोनों पहने प्राइवेट ट्यूशन पढ़ाती थीं और उनका अपने पड़ोस में रहने वाले लोगों से ज्यादा घुलना-मिलना नहीं था। जांच में सामने आया है कि कुछ साल पहले दोनों बहनों ने अपने पिता को खो दिया था। इसके बाद उनकी मां ने आत्महत्या कर ली थी, उन्होंने कहा कि बहनों को आखिरी बार शुक्रवार को देखा गया था।

मौके पर पहुंचे पूर्व पार्षद सुरेश भिलारे ने बताया कि दरवाजा तोड़ा गया तो फ्लैट के अंदर से दो युवतियों के शव मिले। घर के हाल को देख ऐसा लग रहा है कि आर्थिक तंगी के चलते दोनों बहनों ने आत्महत्या कर ली है।

आगामी आकर्षण

पनवेल महानगरपालिका में हो रहे भ्रष्टाचारका पर्दाफाश

यह समाचार पत्र मासिक महाराष्ट्र क्राईम्स मालिक,मुद्रक प्रकाशक सिराज चौधरी द्वारा राजीक प्रिंटर्स,४९६,पंचशील नगर-१, नागसेन बु मंदिर रोड नं-३,तिलक नगर, चेम्बुर,मुंबई ४०००८९ से मुद्रित करका कर ८/ऐ/१६९/२७०२/टागोर नगर, किक्रोली (पू),मुंबई-४०००८३ से प्रकाशित किया। संपादक- सिराज चौधरी मो. ९७७३६२२९६७